PK टाइम्स

लोक टुडे

विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

pktimesnews.com
loktodaynews.com
PK Times News
thepktimesofficial
pk_timesofficial

वर्ष: 12 | अंक: 315 | मूल्य: 1.00 रुपए | पृष्ठ: 4 | रविवार 31 मई 2026 | RNI No. RAJHIN/2013/50649

मौसम का महा-तांडव

पाकिस्तान से उठे रेतीले तूफान से राजस्थान के 4 जिलों में दिन में छाया अंधेरा, यूपी-बिहार में आंधी-बारिश से 48 की मौत

बीकानेर/लखनऊ/पटना।

उत्तर भारत से लेकर पूर्वी भारत तक मौसम ने ऐसा भयानक रूप अख्तियार किया है जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। शनिवार दोपहर राजस्थान के चार सीमावर्ती जिलों में पाकिस्तान से उठे एक विनाशकारी रेतीले तूफान ने दिन में ही रात जैसा अंधेरा ला दिया। वहीं, पिछले 24 से 48 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश और बिहार में आए भीषण अंधड़, आंधी और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में अब तक 48 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। मौसम के इस जानलेवा यू-टर्न से आधा हिंदुस्तान सहम गया है। राजस्थान के मरुस्थलीय और उत्तर-पूर्वी जिलों में शनिवार दोपहर को प्रकृति का डरावना रूप देखने को मिला। चूरू, श्रीगंगानगर, बीकानेर और सीकर जिलों में अचानक धूल का एक ऐसा विशाल गुबार उठा, जिसने कई फीट ऊंची रेतीली दीवार का रूप ले लिया। तूफान का वेग इतना तीव्र (60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा) था कि देखते ही देखते चारों तरफ धूल छा गई और दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई। स्टेट हाईवे और शहरों में चल रहे वाहनों को दोपहर में ही हेडलाइट्स जलानी पड़ीं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लोग जान बचाने के लिए भागकर अपने घरों को बंद करते हुए नजर आ रहे हैं। चूरू के सरदारशहर और बीकानेर में घरों के अंदर तक रेत की मोटी परतें जम गईं। स्थानीय बुजुर्गों का कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसा रेतीला बवंडर पहले कभी नहीं देखा। इससे पूर्व, शुक्रवार रात सीकर जिले के न्यू भागेगा रेलवे स्टेशन के पास आए तीव्र अंधड़ के कारण एक डबल डेकर मालगाड़ी के 4 खाली कंटेनर पटरी से नीचे ट्रैक पर गिर गए थे।

यूपी और बिहार में हाहाकार : मलबे और बिजली की चपेट में आने से 48 मौतें

एक तरफ जहां राजस्थान धूल के बवंडर से जूझ रहा है, वहीं उत्तर प्रदेश और बिहार में मौसम आफत बनकर बरसा है। दोनों राज्यों में पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर आ रही तीव्र आंधी, ओलावृष्टि और आसमानी बिजली के कारण अलग-अलग हादसों में 48 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। सबसे ज्यादा मौतें पेड़, दीवार और होर्डिंग्स गिरने तथा आकाशीय बिजली की चपेट में आने से हुई हैं। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में भारी बारिश के बाद पहाड़ी दरकने से आए मलबे में कई गाड़ियां दब गईं। हिमाचल प्रदेश के रोहड़ू और मंडी में भारी ओलावृष्टि के कारण सेब की तैयार फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है।

मौसम विभाग का बड़ा अपडेट

इस साल कमजोर रहेगा मानसून; देश में औसतन कम बारिश का अनुमान

इस मौसमी उथल-पुथल के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मानसून को लेकर एक नया और चिंताजनक पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी है और अब इसके अगले 7 दिनों में केरल के तट पर पहुंचने की संभावना है। अल-नीनो के बढ़ते प्रभाव के कारण इस साल देश में मानसूनी सीजन कमजोर रहने की आशंका है। इस साल जून से सितंबर के दौरान देश में औसतन 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है, जबकि भारत में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है। मौसम विभाग ने साफ किया है कि उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों में भले ही सामान्य बारिश हो जाए, लेकिन देश के अन्य बड़े हिस्सों, विशेषकर वर्षा पर निर्भर खेती वाले मैदानी इलाकों में मानसून बेहद कमजोर रह सकता है।

अमेरिका-ईरान समझौते की उम्मीद से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, छह सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंचा क्रूड

नई दिल्ली।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम (सीजफायर) बढ़ाने पर संभावित सहमति और होर्मुज जलडमरूमध्य के जल्द खुलने की खबरों के बाद सप्ताहांत में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें छह सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गईं। अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का जुलाई डिलीवरी वाला अनुबंध 1.73 प्रतिशत गिरकर 87.36 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का अगस्त अनुबंध 1.7 प्रतिशत की गिरावट के साथ 91.12 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह युद्धविराम को 60 दिनों तक बढ़ाने के लिए प्रस्तावित शुरुआती समझौते पर अंतिम फैसला लेंगे। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अभी कोई अंतिम सहमति नहीं बनी है और दोनों पक्षों के बीच संदेशों का आदान-प्रदान जारी है।

जुलाई में कच्चे तेल की कीमतों में शामिल अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम कम हुआ है, क्योंकि कूटनीतिक समाधान की उम्मीदें बढ़ी हैं। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति पूरी तरह सामान्य होने से पहले अभी कई चुनौतियां मौजूद हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, जलमार्ग में बिछी बारूदी सुरंगों को हटाना, बंद पड़े तेल क्षेत्रों को दोबारा शुरू करना और ड्रोन तथा मिसाइल हमलों से ऊर्जा ढांचे को हुए नुकसान की मरम्मत जैसे कारणों से तेल आपूर्ति पूरी तरह बहाल होने में समय लग सकता है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत के लिए लगभग 2.70 लाख मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर जा रहा मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला टैंकर निसोस केरोस सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है। इसके 3 जून को विशाखापट्टनम पहुंचने की उम्मीद है। सरकार ने कहा कि देश की सभी तेल रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और उनके पास पर्याप्त मात्रा में कच्चे तेल का भंडार मौजूद है। साथ ही पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा गया है।

घरेलू एलपीजी की मांग को पूरा करने के लिए रिफाइनरियों से गैस उत्पादन बढ़ाकर लगभग 52 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन कर दिया गया है। सरकार ने राज्यों को जिला स्तर पर पेट्रोल और डीजल की खपत के पैटर्न की निगरानी और समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, संवेदनशील क्षेत्रों और प्रमुख परिवहन एवं औद्योगिक कॉरिडोर में निरीक्षण और प्रवर्तन गतिविधियां तेज करने को कहा गया है, ताकि औद्योगिक और व्यावसायिक उपभोक्ताओं द्वारा खुदरा पेट्रोल पंपों से डीजल की अनधिकृत खरीद को रोका जा सके। सरकार ने नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तत्काल दंडात्मक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं।

साकेत हादसा : 7 लोगों को भेजा गया अस्पताल, मलबे में और भी लोगों के दबे होने की आशंका

नई दिल्ली।

साकेत के सैदुलाजाब इलाके में 'अराइज' बिल्डिंग के ढहने के बाद इलाके में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है कि 5 से 6 लोग मलबे में फंसे हैं, जबकि 7 लोगों को निकालकर अस्पताल भेज दिया गया है। बचाव दल लगातार तलाशी और लोगों को सुरक्षित निकालने का काम कर रहे हैं। स्थानीय प्रधान रविंदर सिंह और सिविल डिफेंस वॉलंटियर धर्मवीर ने आपातकालीन प्रतिक्रिया और जमीनी हालात के बारे में जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, यह इमारत ग्राउंड प्लस तीन मंजिल की थी, जिसकी तीसरी मंजिल पर निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान अचानक पूरी इमारत ढह गई और पास में बने एक अस्थायी टिन शेड कैंटीन पर गिर गई, जहां कुछ लोग मौजूद थे। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया। मौके पर दमकल विभाग, पुलिस और कई आपातकालीन एजेंसियां पहुंचीं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के समय वहां बच्चे भी मौजूद थे जो खाना खा रहे थे। अचानक इमारत गिरने से कई लोग मलबे में दब गए। शुरुआती जानकारी में बताया गया कि कुछ लोगों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तुरंत सुरक्षित निकाल लिया गया, जबकि कई लोग अभी भी मलबे में फंसे होने की आशंका है।

घटना के बाद बचाव कार्य में एनडीआरएफ की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं और राहत कार्य में जुट गईं। दमकल विभाग और डीडीएमए की टीमों के साथ मिलकर मलबा हटाने का काम युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है।

ब्रीफ न्यूज

मंत्री गौतम दक ने जानबूझकर ऐसा नहीं किया होगा : मदन राठौड़

एजेंसी

उदयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने शनिवार को सहकारिता मंत्री गौतम दक के गाली-गलौज के वायरल हुए ऑडियो पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि मामले में मंत्री से फोन पर बातचीत की थी। मंत्री ने राठौड़ को बताया कि उनके बयान को गलत संदर्भ में रखा गया। मैंने उन्हें बुलाया है और उनकी पूरी बात समझूंगा। उनके व्यवहार से मुझे कभी नहीं लगा कि वे ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर सकते हैं। उनका व्यक्तित्व और व्यवहार हमेशा गरिमापूर्ण रहा है। उन्होंने जानबूझकर कोई आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की होगी। यदि किसी की भावनाएं आहत हुईं तो मंत्री माफी मांगने के लिए भी तैयार हैं। दक पर पुलिस स्टेशन में पुलिसकर्मियों को गालियां देने के आरोप लगे थे। मामले में उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हो चुका।

डूंगरपुर में पकड़ा 1.74 करोड़ का अवैध सोना

एजेंसी

डूंगरपुर। पुलिस विभाग की जिला विशेष टीम और बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने नेशनल हाईवे-48 पर सोने की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने नाकेबंदी के दौरान कार से 1 किलो 77 ग्राम और 840 मिलीग्राम अवैध सोना जब्त किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 1

राहत : रीकंस्ट्रक्शन के लिए मिलेगा फंड, अमेरिकी कंपनियां भी निवेश करने के लिए आएंगी

युद्ध से मिलेगी मुक्ति : अमेरिका के 29 लाख करोड़ रुपए में फिर से 'खड़ा' होगा ईरान

ट्रम्प बोले- परमाणु कार्यक्रम पर सहमति, ईरान ने खारिज किया

एजेंसी

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित 60 दिन के युद्ध विराम समझौते के बीच शनिवार को ईरान को बड़ी आर्थिक मदद देने की बात सामने आई। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक समझौता होने पर ईरान को 300 अरब डॉलर (करीब 28.53 लाख करोड़ रुपए) का फंड दिया जा सकता है। साथ ही अमेरिकी कंपनियों को ईरान में निवेश की अनुमति भी मिल सकती है। ईरानी अधिकारी ने इसे रीकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम बताया। उन्होंने बताया कि अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद ईरान को यह आर्थिक सहायता देने का वादा किया जाएगा। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि दोनों देश परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौते के करीब हैं। इसके अनुसार ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और उसके पास मौजूद संवर्धित यूरेनियम को खत्म कर दिया जाएगा। इधर, ईरान ने ट्रम्प के दावे को खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि फिलहाल परमाणु मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं चल रही। वहीं, सूत्रों ने बताया कि समझौते के मसौदे में परमाणु सामग्री को नष्ट करने जैसी कोई शर्त शामिल नहीं।

आशंका : ईरान पर फिर हमला कर सकता है अमेरिका

अमेरिका ने एक बार फिर संकेत दिया कि अगर ईरान के साथ चल रही बातचीत विफल होती है तो वह दोबारा सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि वाशिंगटन के पास जरूरत पड़ने पर ईरान पर नए हमले शुरू करने की पूरी क्षमता है। सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला डायलॉग में बोलते हुए हेगसेथ ने कहा, 'अगर जरूरत पड़ी तो हम दोबारा कार्रवाई करने में पूरी तरह सक्षम हैं।' उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य भंडार इतना मजबूत है कि वह न केवल पश्चिम एशिया बल्कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी सैन्य अभियान चला सकता है। हेगसेथ का यह बयान ऐसे समय आया, जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को आगे बढ़ाने और स्थायी समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत चल रही है।

ईरान होर्मुज पर दावा मजबूत करने के लिए जल्द कानून लाएगा

ईरान की संसद होर्मुज स्ट्रेट पर अपना दावा मजबूत करने के लिए नया कानून लाने जा रही है। ईरानी सांसद अलीरेजा सलीमी ने कहा कि संसद जल्द ही ऐसा कानून पास करेगी, जिसमें कहा जाएगा कि होर्मुज स्ट्रेट के प्रबंधन और नियंत्रण में ईरान की भूमिका को आधिकारिक मान्यता दी जाएगी। सलीमी ने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट ईरान और ओमान के समुद्री क्षेत्र में पड़ता है। इसलिए इस रास्ते का संचालन कैसे होगा और इससे जुड़े नियम क्या होंगे, इसका फैसला सिर्फ ईरान और ओमान को करना चाहिए, किसी दूसरे देश को नहीं।

होर्मुज स्ट्रेट में तैरती हुई बारूदी सुरंग दिखी

ओमान ने होर्मुज स्ट्रेट में संदिग्ध तैरती हुई समुद्री बारूदी सुरंग (फ्लोटिंग माइन) देखे जाने की जानकारी दी। ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने शनिवार को जहाजों और मछुआरों को सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की। समुद्री बारूदी सुरंगें पानी के अंदर या समुद्र की सतह के पास लगाई जाने वाली विस्फोटक चीजें होती हैं। इनका इस्तेमाल दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों को नुकसान पहुंचाने या डुबाने के लिए किया जाता है। अमेरिका का दावा है कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में करीब 5,000 से 6,000 ऐसी सुरंगें बिछा रखी हैं।

बंगाल में अभिषेक बनर्जी से मारपीट, अंडे फेंके-शर्ट फाड़ी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी से शनिवार को मारपीट की गई। वे यहां चुनावी हिंसा में घायल टीएमसी कार्यकर्ताओं से मिलने आए थे। वहां पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और नारे लगाकर मारपीट की। लोगों ने उन पर अंडे फेंके और शर्ट फाड़ दी। अभिषेक को हेलमेट पहनाकर वहां से निकाला गया। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक ने कहा कि ये लोग मुझे मारना चाहते थे। मौके पर कोई पुलिसवाला नहीं था। ऐसे हमलों से हम डरेंगे नहीं।

कर्नाटक के 24वें मुख्यमंत्री बनेंगे डीके शिवकुमार, सिद्धारमैया ने नाम बढ़ाया

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार राज्य के 24वें मुख्यमंत्री बनेंगे। बेंगलुरु में शनिवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले सिद्धारमैया ने उनके नाम प्रस्ताव रखा। इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में कर्नाटक कांग्रेस प्रभारी रणदीप सुरजेवाला, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे। दोनों को पर्यवेक्षक बनाया गया। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि 3 जून की शाम डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बैठक में बाद शिवुकमार ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट भी बदलेगी। मौजूदा कैबिनेट से 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं। इसमें सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे भी शामिल होंगे। चार उप मुख्यमंत्री भी बनाए जा सकते हैं। शिवकुमार सीएम रोटेशनल फॉर्मूला के तहत मुख्यमंत्री बनाए गए। सिद्धारमैया 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री रहे।

आईपीएल फाइनल आज, गत चैम्पियन बेंगलुरु और गुजरात का होगा मुकाबला

एजेंसी

अहमदाबाद। आईपीएल का फाइनल मैच रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच अहमदाबाद में खेला जाएगा। मुकाबला शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। फाइनल मुकाबले से पहले अहमदाबाद जाने वाली उड़ान का किराया 17 हजार से 35 हजार रुपए तक किराया हो गया। वहीं बड़े होटलों का एक रात का किराया भी 36 हजार तक पहुंच गया। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दोनों टीमों के पास दूसरी बार टाइटल जीतने का मौका होगा। बेंगलुरु ने पिछले साल पहला खिताब जीता था, जबकि गुजरात 2022 में अपने पहले सीजन में चैंपियन बनी थी। मई के अंत को आमतौर पर होटल इंडस्ट्री के लिए ऑफ सीजन होता है। शहर के कई बड़े होटलों में पहले से बुकिंग हो रही है। अहमदाबाद के अधिकांश प्रीमियम होटल 30 और 31 मई को पूरी तरह से बुक हैं। अनुमान है कि होटल इंडस्ट्री को सिर्फ दो दिनों में 200 करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा होगा। फाइनल का सबसे बड़ा फायदा सिर्फ होटल इंडस्ट्री को नहीं शहर के पूरे बिजनेस जगत को हो रहा है।

सम्पादकीय

जरूरी सत्ता परिवर्तन

कभी भाजपा के गढ़ रहे कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता वापसी में डी.के. शिवकुमार की बड़ी भूमिका मानी जाती रही है। जिस ऊर्जा व तेवरों से, उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस सगंठन व कार्यकर्ताओं को एकजुट करके लड़ाया, उससे उम्मीद थी सरकार बनने के बाद उनकी ही ताजपोशी होगी। वे न केवल संगठन के सूत्रधार ही थे, बल्कि उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों का त्रास भी झेला था। बहरहाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे ने अब तक उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते रहे डी.के. शिवकुमार की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल, 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी-बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार करती है लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता के बंटवारे के इस समझौते ने कर्नाटक में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। इस बदलाव के लिये लंबे समय तक प्रतीक्षारत रहे डी.के. शिवकुमार अब इस प्रतिष्ठित पद के लिये और इंतजार करते नहीं दिखायी दे रहे थे। जाहिरा तौर पर पहले की तरह वर्ष 2028 के चुनावी संग्राम के लिये पार्टी को तैयार करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। उन्हें अगले दो वर्षों में राज्य में सुशासन को प्राथमिकता देनी होगी। इस बात को कुछ देर से ही सही, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने महसूस तो किया है। राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि कांग्रेस नेतृत्व को देर-सवेर अहसास होने लगा था कि जिस कर्नाटक को भाजपा दक्षिण का द्वार बताकर विगत में वर्चस्व बना चुकी है, वहां पार्टी को नेतृत्व-द्वंद्व का नुकसान हो सकता था। जिसकी पूर्ति तेज-तर्रार डी.के. शिवकुमार जैसे नेतृत्व से ही संभव हो सकती है। निर्विवाद रूप से वे अपेक्षाकृत कम उम्र के जुझारू राजनेता के रूप में पहचान रखते हैं। उन्हें कुशल चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाना जाता रहा है। बहरहाल, अब कांग्रेस पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य में पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और दलितों का समर्थन बरकरार रखना है।

समूचे तंत्र की विफलता

त्विषा शर्मा की मौत के मामले को मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल पुलिस और न्यायिक अधिकारियों ने जिस प्रकार संभाला, वह चुनी हुई सरकार, पुलिस-प्रशासन और अधीनस्थ न्यायपालिका जैसे राज्यव्यवस्था के सभी अंगों की विफलता का ही संकेत है। अगर मीडिया ने दखल न दिया होता तो इन सभी अंगों के बीच की साठगांठ समूचे तंत्र में नागरिकों के भरोसे को पूरी तरह नष्ट कर चुकी होती। स्वतंत्रता के 80 साल बाद भी तंत्र के ऐसे पतन का साक्षी बनना बेहद शर्मनाक है।

माडल-अभिनेत्री त्विषा शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने कई सवाल खड़े किए हैं। जैसे 12 मई को मौत होने के बाद भी 15 मई तक पुलिस ने प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की। त्विषा की सास गिरिबाला सिंह सेवानिवृत्त जज तो पति समर्थ सिंह अधिवक्ता हैं। जहां एफआइआर में देरी हुई, वहीं गिरिबाला सिंह को न केवल सहजता से अग्रिम जमानत मिल गई, बल्कि घटना स्थल पर बेरोकटोक जाने की छूट भी मिली। यह अच्छा है कि हाई कोर्ट से उनकी यह जमानत खारिज हो गई और सीबीआइ ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है, पर उससे पहले उनके पास इतनी गुंजाइश रही कि वे तमाम साक्ष्यों को अपनी सुविधा से देख सकें। उन्होंने पुलिस और न्यायिक तंत्र से जुड़े विभिन्न पदाधिकारियों को फोन काल भी किए, जिनमें लोकायुक्त, डीजी रैंक के पुलिस अधिकारी और एक जिला जज भी शामिल रहे। शायद ही कोई ऐसा दूसरा मामला ध्यान में आए, जहां न्यायाधीश ने मामले से जुड़े किसी संभावित आरोपित को ही साक्ष्यों से छेड़छाड़ की ऐसी खुली छूट प्रदान की हो। समर्थ सिंह भी करीब दस दिनों तक भूमिगत रहे। जब मीडिया में इस मुद्दे ने तूल पकड़ा तो मुख्यमंत्री त्विषा के परिवार से मिलने पर सहमत हुए और मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई। हालांकि यह सब 25 मई तक संभव हो सका। राज्य दूसरे पोस्टमार्टम के लिए भी तैयार तो हुआ, लेकिन मौत के 12 दिन बाद 24 मई को। इस पूरे मामले में पुलिस की ढिलाई और सास को मिली अग्रिम जमानत ऐसे किसी भी व्यक्ति के अंतरात्मा को झकझोर सकती है, जो ससुराल में महिलाओं के प्रति क्रूरता और दहेज निषेध कानून की बारीकियों से परिचित हो। भारतीय साक्ष्य अधिनियम यानी बीएसए की धारा 117 (जो पहले भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 113 ए) के तहत स्पष्ट प्रविधान है कि, विवाह के सात वर्ष के अंदर किसी महिला की आत्महत्या के संबंध में जब यह सवाल उठे कि क्या उसकी आत्महत्या उसके पति या उसके किसी रिश्तेदार द्वारा उकसावे का परिणाम रही या उसके प्रति क्रूरता बरती गई तो न्यायालय सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह मानकर चल सकता है कि आत्महत्या उसके पति या पति के किसी रिश्तेदार द्वारा उकसावे का नतीजा रही। भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 118 तो और भी स्पष्ट एवं प्रभावी है। इसके अनुसार, जब सवाल यह हो कि क्या किसी व्यक्ति ने किसी महिला की दहेज के चलते हत्या की है और अपनी मृत्यु से ठीक पहले ऐसी महिला को उस व्यक्ति द्वारा दहेज की किसी भी मांग के लिए या उसके संबंध में क्रूरता या उत्पीड़न का शिकार बनाया गया था, तो न्यायालय यह मानने के लिए बाध्य होगा कि वही व्यक्ति दहेज के कारण हुई हत्या का जिम्मेदार है।

देश में दहेज हत्या के बढ़ते मामलों के कारण ही संसद ने कानून में संशोधन किया और 1980 के दशक में इसे और अधिक सख्त बनाया।

नव-प्रवर्तित भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 के अंतर्गत भी पति या पति के रिश्तेदार के लिए तीन साल तक की कारावास का प्रविधान है, जो किसी महिला को अपनी क्रूरता का शिकार बनाता है। इसी क्रम में धारा 86 क्रूरता को परिभाषित करती है। इसके अनुसार क्रूरता से तात्पर्य जानबूझकर किए गए ऐसे किसी भी आचरण से है, जिसके चलते (क) महिला को आत्महत्या करने के लिए उकसाने की आशंका हो या महिला के जीवन, अंग या स्वास्थ्य (चाहे मानसिक हो या शारीरिक) को गंभीर क्षति या खतरा पहुंचने का जोखिम हो, (ख) इसमें दहेज के लिए महिला का उत्पीड़न किया जाना शामिल हो। यदि दहेज उत्पीड़न के कारण विवाह के सात वर्ष के भीतर महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होती है, तो इस तरह के मामलों में न्यूनतम सात वर्ष की जेल हो सकती है, जो आजीवन कारावास तक बढ़ सकती है।

इस मामले में सास गिरिबाला सिंह ने सार्वजनिक बयानबाजी से ही स्वयं को संदिग्ध रूप में प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने त्विषा पर मादक पदार्थों का सेवन करने, मानसिक बीमारी का इलाज चलने और परिवार के साथ तालमेल न बिठा पाने जैसे आरोप मढ़े। ऐसे में सवाल उठते हैं कि क्या पुलिस संसद द्वारा पारित कानून से जुड़े पहलुओं से परिचित नहीं थी? क्या गिरिबाला सिंह को अग्रिम जमानत देने वाले इन प्रविधानों से वाकिफ नहीं थे? इस संबंध में उच्चतम न्यायालय का यह अवलोकन भी निराशाजनक है, जिसमें उसने मीडिया से कहा कि वह कोई नैरेटिव बनाने का प्रयास न करे। एक तरह से उसने मीडिया ट्रायल से परहेज करने को तो कहा, लेकिन पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह या भोपाल पुलिस या दस दिनों तक गायब रहे त्विषा के अधिवक्ता पति समर्थ सिंह को लेकर कुछ नहीं कहा। अच्छी बात है कि सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जरूर मीडिया की पीठ थपथपाई कि उसके हस्तक्षेप से यह मामला सही दिशा में बढ़ा। समग्रता में देखें तो यह मामला समूचे तंत्र की विफलता का ऐसा उदाहरण है और उन लोगों को मुंह बंद करने के लिए पर्याप्त है, जो मीडिया ट्रायल को लेकर बिदकते रहते हैं। अगर मीडिया ने इस मुद्दे को न उठाया होता, तो संभव है कि इस मामले का किसी परिणति से पहले ही पटाक्षेप हो गया होता? अगर मीडिया के माध्यम से इसका ब्योरा सामने नहीं आता तो क्या उच्चतम न्यायालय को इस शर्मनाक लीपापोती की भनक लग पाती? कम से कम इस मामले में तो कहना ही होगा कि-मीडिया ट्रायल की जय हो। स्पष्ट है कि व्यवस्था के तीनों स्तंभ जब निराश करने लगें तो चौथा स्तंभ उम्मीद की किरण बनकर उभरता है।

ग्रेट निकोबार परियोजना से बढ़ी चीन की बेचैनी

ग्रेट निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लगभग 150 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है। इस भौगोलिक निकटता के कारण, निकोबार द्वीपसमूह हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच होने वाले वैश्विक व्यापार के लिए एक अत्यंत रणनीतिक समुद्री चौकी बन जाता है।

पेइचिंग के हाईतियन ज़िले में रनमिन यूनिवर्सिटी शोध के लिए प्रसिद्ध है। यहां चीनी विदेश रणनीति अध्ययन केंद्र के निदेशक जिन कैनरोंग ने अपने निजी वी-चैट अकाउंट पर प्रकाशित एक हालिया टिप्पणी में तर्क दिया, कि चीन की लंबे समय से चली आ रही 'मलाक्का दुविधा' अब और भी गंभीर होती जा रही है। चीन को डर है, कि मलाक्का जलडमरूमध्य पर उसकी भारी निर्भरता उसकी रणनीतिक कमज़ोरी बन सकती है। न्यूज़ एजेंसी रायटर्स ने अप्रैल में रिपोर्ट दी थी कि चीन के कच्चे तेल के आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा मलाक्का जलडमरूमध्य से होकर गुज़रता है, जबकि यह जलडमरूमध्य वैश्विक व्यापार का लगभग 22 फीसद और समुद्री तेल का 29 प्रतिशत हिस्सा संभालता है।

जिन कैनरोंग ने लिखा कि पहले चीन की चिंताएं मुख्य रूप से अमेरिका पर केंद्रित थीं, जिसकी वैश्विक नौसैनिक पहुंच में हिंद महासागर में दिएगो गार्सिया और सिंगापुर में चांगी नौसैनिक अड्डे जैसे ठिकाने शामिल हैं। उन्होंने कहा, लेकिन अब, भारत की भूमिका बढ़ रही है। यदि भारत ग्रेट निकोबार पर अपनी उपस्थिति मज़बूत करता है, तो इससे भारत को चीन की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एक संकरे समुद्री मार्ग (चोकप्वाइंट) पर अधिक प्रभाव डालने की शक्ति मिल सकती है।

भारत सरकार द्वारा ग्रेट निकोबार द्वीप पर लगभग 10 अरब डॉलर यानी लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से 'ग्रेट निकोबार विकास परियोजना' पर काम किया जा रहा है। इस रणनीतिक पहल का मुख्य उद्देश्य भारत के सबसे दक्षिणी छोर को एक विशाल वाणिज्यिक और सैन्य केंद्र में बदलना है। इस महात्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य गलाथिया खाड़ी में एक बड़ा ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह (पोर्ट), अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नई टाउनशिप और 450 मेगावाट का गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल है। रणनीतिक रूप से मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित यह केंद्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों (जैसे 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स') का मुकाबला करने में भारत की नौसैनिक क्षमता को बढ़ावा देगा।

इस पोर्ट के जरिए भारत अपने ट्रांस-शिपमेंट कार्गो के लिए सिंगापुर और कोलंबो जैसे विदेशी बंदरगाहों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। पूर्ण क्षमता पर, इस बंदरगाह से सालाना 1.6 करोड़ ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स (टीईयूएस) का संचालन होने का अनुमान है। भारत सरकार द्वारा 2021 में शुरू की गई यह योजना तेजी से विकास की ओर बढ़ रही है। सबसे बड़ी दिक्कत वर्षा वनों के बड़े पैमाने पर कटने की आशंका को लेकर पर्यावरणविदों और मानवाधिकार समूहों की चिंता है। प्रोफेसर जिन कैनरोंग ने चीन को तीन सुझाव दिए हैं—पहला, चीन को एक अधिक शक्तिशाली 'ब्लू-वॉटर नेवी' (गहरे समुद्र में काम करने वाली नौसेना) बनानी चाहिए। चीन को अपने विमानवाहक पोत बेड़े के विकास में तेज़ी लानी चाहिए, और चीन के सबसे नए तथा सबसे उन्नत विमानवाहक पोत 'फुचियान' को जल्द से जल्द युद्ध के लिए तैयार करना चाहिए। दूसरा, चीन को उन मार्गों पर काम में तेज़ी लानी चाहिए जो मलाक्का को बाईपास करते हैं। जिन ने म्यांमार के पश्चिमी तट पर स्थित चीन-समर्थित गहरे समुद्र के बंदरगाह 'क्याउकप्यू', प्रस्तावित चीन-म्यांमार रेलवे, और म्यांमार से चीन के दक्षिण-पश्चिमी युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग तक जाने वाली तेल और गैस पाइपलाइनों की ओर इशारा किया। उन्होंने थाईलैंड के प्रस्तावित 'क्रा लैंड ब्रिज' का भी ज़िक्र किया—जो सड़क और रेल मार्ग के ज़रिए थाईलैंड की खाड़ी और अंडमान सागर को जोड़ने की एक योजना है—और इसे इस जलडमरूमध्य पर चीन की निर्भरता कम करने का एक और तरीका बताया।

तीसरा, चीन को ताइवान मुद्दे का समाधान करना चाहिए। जिन ने तर्क दिया कि यदि पेइचिंग, ताइवान के प्रश्न को सुलझा लेता है, तो उसे पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में अपनी गतिविधियों के लिए अधिक गुंजाइश मिल जाएगी। वहां से, चीन मलक्का के पास अपने हितों की रक्षा करने की बेहतर स्थिति में होगा।

भले ही चीन और भारत सीमा पर वर्षों के तनाव के बाद अपने संबंधों को सावधानीपूर्वक स्थिर करते दिख रहे हैं, जिनकी टिप्पणी से पता चलता है, कि रणनीतिक अविश्वास अब भी कितना गहरा है। ग्रेट निकोबार परियोजना से यह भी पता चलता है कि भारत को लेकर चीन की चिंताएं अब केवल ज़मीनी सीमा तक ही सीमित नहीं हैं। भारत को अब तेज़ी से एक समुद्री प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है, जो हिंद महासागर और दक्षिण-पूर्व एशियाई समुद्री मार्गों तक चीन की पहुंच को प्रभावित कर सकता है, और भारत संभवत: पेइचिंग की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक जीवन-रेखाओं में से एक के पास अपना प्रभाव बढ़ा सकता है।

ग्रेट निकोबार द्वीप, मलक्का जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लगभग 150 किलोमीटर (90 नॉटिकल माइल) उत्तर-पश्चिम में स्थित है। इस भौगोलिक निकटता के कारण, निकोबार द्वीपसमूह हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच होने वाले वैश्विक व्यापार के लिए एक अत्यंत रणनीतिक समुद्री चौकी बन जाता है। अंडमान सागर के रास्ते मलक्का जलडमरूमध्य में प्रवेश करने या उससे बाहर निकलने के लिए जहाज़ों को 'सिक्स डिग्री चैनल' से होकर गुज़रना पड़ता है, जिससे वैश्विक शिपिंग मार्ग सीधे भारतीय क्षेत्र के निकट आ जाते हैं। इस निकटता के कारण, भारत इस महत्वपूर्ण मार्ग को सुरक्षित रखने और उस पर निगरानी रखने के लिए अपनी नौसैनिक अवसंरचना का बड़े पैमाने पर विस्तार कर रहा है, और ग्रेट निकोबार पर एक विशाल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल का निर्माण कर रहा है। सिंगापुर जलडमरूमध्य के फ़िलिप्स चैनल में अपने सबसे संकरे बिंदु पर, मलाक्का जलडमरूमध्य की चौड़ाई सिर्फ़ 1.7 मील (2.7 किमी) है; इससे एक प्राकृतिक रुकावट पैदा होती है, साथ ही जहाज़ों के टकराने, ज़मीन से टकराने या तेल फैलने का भी खतरा बना रहता है। सालों से, यह जलडमरूमध्य समुद्री डकैती और व्यापारिक जहाजों पर हमलों का एक बड़ा केंद्र रहा है।

टैंकर ट्रैकर 'वोरटेक्सा' के आंकड़ों के अनुसार, 'यह संकरा और भीड़भाड़ वाला जलमार्ग पेइचिंग के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण रहा है, क्योंकि चीन के समुद्री रास्ते से होने वाले कच्चे तेल के आयात का लगभग 75 फीसद हिस्सा इसी रास्ते से मध्य पूर्व और अफ्रीका से होकर गुजरता है।' होनोलुलु स्थित ईस्ट-वेस्ट सेंटर की एडजंक्ट फेलो, निलंथी समरनायके ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को भारत की 20 साल पुरानी ज़रूरत का सबसे नया अपडेट बताया। समरनायके ने कहा, 'अब जो बात अलग है, वह यह है कि इस प्रोजेक्ट को लेकर अब ज़्यादा तेज़ी दिख रही है।'

फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ

लचीली भूराजनीति यानी फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स का जन्मदाता भारत की देखा-देखी अब पूरी दुनिया में इसका प्रचलन बढ़ रहा है। इसे मोदी डॉक्ट्रिन कहना ज्यादा उचित होगा, जो गुटनिरपेक्षता का हाइब्रिड पालिसी संस्करण है। आम कहानी वाली भाषा में कहें तो खुल जा सिमसिम और बंद हो जा सिमसिम वाली वैश्विक कूटनीति ही अब लचीली भूराजनीतिक बन चुकी है।

दरअसल, फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स यानी लचीली भूराजनीति का अर्थ ऐसी अवसरवादी विदेश नीति से है, जिसमें देश अपने हित के अनुसार कभी दोस्ती का दरवाज़ा खोलते हैं और कभी तुरंत बंद कर लेते हैं। आज की दुनिया में यही फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स तेजी से बढ़ रही है। जिसके सफल उपयोगकर्ता टीम पीएम मोदी हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ भारत जैसे उन देशों को होता है जो आर्थिक रूप से शक्तिशाली हों, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर हों, सैन्य रूप से सक्षम हों, और बहुध्रुवीय दुनिया में संतुलन साधना जानते हों। यही वजह है कि भारत इसे अपनाकर दुनिया के शीर्षस्थ देशों की कतार में शामिल होने की दिशा में बढ़ता जा रहा है। सवाल है कि आखिर इससे किसका भला होगा? तो इसके कई जवाब होंगे, जिनमें पहला है महाशक्तियों का सबसे अधिक लाभ: संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और आंशिक रूप से रूस-भारत जैसी शक्तियाँ इस नीति से सबसे अधिक फायदा उठाती हैं। पूर्वक सवाल है क्यों? तो सीधा सा जवाब है कि वे परिस्थितियों के अनुसार गठबंधन बदल सकती हैं। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और तकनीकी नियंत्रण का इस्तेमाल कर सकती हैं। मित्र और प्रतिद्वंद्वी दोनों से व्यापार जारी रख सकती हैं। उदाहरण: अमेरिका, चीन से प्रतिस्पर्धा भी करता है और व्यापार भी। चीन रूस का साझेदार है लेकिन पश्चिमी बाजार भी नहीं छोड़ना चाहता। वहीं, रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद एशियाई देशों से संबंध मजबूत कर रहा है। दूसरा, मध्यम शक्तियों का भी फायदा: भारत, तुर्किये, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश मल्टी-अलाइनमेंट नीति से लाभ उठा रहे हैं। भारत इसका बड़ा उदाहरण है, जो क्वाड में भी है, ब्रिक्स में भी, रूस से रक्षा सहयोग भी रखता है, और अमेरिका से तकनीकी साझेदारी भी बढ़ाता है।

विशेष आलेख /राशिफल

पटरी पर लौटता तीन भाषा फॉर्मूला

चप्रेमपाल शर्मा। सीबीएसई और केंद्र सरकार के ताजा निर्णय की तारीफ की जानी चाहिए, जिसमें उन्होंने नौवीं कक्षा में दो भारतीय भाषाओं को पढ़ना अनिवार्य किया है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन का अगला कदम है। सीबीएसई के नए आदेश के अनुसार पहली जुलाई से देश में नौवीं कक्षा में तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी, जिनमें दो अनिवार्य रूप से भारतीय भाषाएं होंगी। अगर पहली भाषा अंग्रेजी है तो दूसरी भाषा हिंदी या अपनी मातृभाषा होगी और तीसरी भाषा के रूप में विद्यालय संविधान की आठवीं अनुसूची की कोई भी भाषा चुन सकते हैं। इसका उद्देश्य बहुभाषी समाज की तरफ बढ़ना है, जो इस देश की हकीकत भी है। 1960 के दशक में कोठारी आयोग द्वारा दिए गए तीन भाषा सूत्र का आत्मा भी यही था कि उत्तर भारत के बच्चे दक्षिण भारत की कोई भाषा सीखें और दक्षिण भारत के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा उत्तर भारत की हिंदी सीखें, लेकिन कुछ राजनीतिक स्वार्थ की वजह से इसे हिंदी थोपने के रूप में दुष्प्रचार किया गया।

उत्तर भारत की शिक्षा नीति में भी यह कमी रही कि उसने दक्षिण की कोई भाषा सीखने के बजाय तीसरी भाषा के रूप में संस्कृत से काम चला कर खानापूर्ति कर ली। उम्मीद है उत्तर भारत अब ऐसी गलती नहीं करेगा। दक्षिण भारत का इसीलिए आज तक यह विरोध जारी है कि जब उत्तर भारत उसकी कोई भाषा नहीं सिखाता तो दक्षिण के राज्य भी हिंदी क्यों सीखें? इसीलिए तीन भाषा फार्मूला अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो पाया। अब सरकार की नई सुविचारित नीति के तहत यह सफल होता नजर आ रहा है।

वर्तमान में उत्तर भारत में विशेषकर अधिकांश पब्लिक स्कूलों में नौवीं कक्षा में तो एक भी भारतीय भाषा नहीं पढ़ाई जा रही। इनमें से कुछ स्कूल ऐसे भी हैं जिनमें 12वीं में हिंदी का सेक्शन ही नहीं है, जबकि अंग्रेजी के अलावा बच्चों को पढ़ने के लिए जर्मन, फ्रेंच, जापानी, स्पेनिश आदि विदेशी भाषाओं के विकल्प हैं। सरकारी स्कूलों में गनीमत है कि हिंदी बची हुई है, लेकिन ज्यादातर विज्ञान के विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में भी 11वीं में हिंदी नहीं पढ़ रहे या कहें उन्हें नहीं पढ़ाई जा रही। भाषा नीति के नए आदेश का सबसे ज्यादा विरोध यही महंगे निजी स्कूल और अभिभावक कर रहे हैं। वे शिकायत कर रहे हैं कि इसे इस सत्र में ही लागू करना था तो पहली अप्रैल से क्यों नहीं किया गया। उन्हें पता होना चाहिए कि अप्रैल में शैक्षिक सत्र जरूर आरंभ हो जाता है, लेकिन पूरे देश में शिक्षा पहली जुलाई से ही शुरू होती है, इसलिए देरी की इस बात में कोई दम नहीं है। उनका दूसरा आरोप है कि हमने फ्रेंच, जर्मन भाषाओं की किताबें खरीद ली हैं और बच्चे कई वर्षों से इन भाषाओं को पढ़ रहे हैं। अब और भारतीय भाषाएं पढ़नी पड़ेंगी तो उनके बच्चों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ जाएगा। यह उनकी दसवीं के रिजल्ट को प्रभावित करेगा। उनकी यह भी शिकायत बचकानी है। उनसे बस यही कहना है कि अंग्रेजी तो वे जन्म से सीख रहे हैं। जर्मन और फ्रेंच भी उनको कभी अतिरिक्त बोझ नहीं लगते, पर अपनी मातृभाषा या अन्य देसी भाषाएं उन्हें बोझ क्यों लगने लगता है।

क्या बच्चे अपनी मर्जी से जर्मन और दूसरी भारतीय भाषा सीखते हैं? नहीं। यह अभिभावकों और स्कूल का उन पर जबरदस्ती लदा हुआ बोझ है। क्या हमारा संविधान गलत है, जिसमें हिंदी और सभी क्षेत्रीय भाषाओं को आगे बढ़ाने और उसमें प्रशासन और शिक्षा देने की बात कही गई है? तीसरी भाषा के लिए सरकार ने सही राह सुझाई है कि इसमें बोर्ड की परीक्षा नहीं होगी, पाठ्यक्रम बहुत हल्का होगा और उसका मूल्यांकन भी आंतरिक होगा। इसका उद्देश्य साफ है कि उत्तर भारत के लोग दक्षिण की भाषाओं को जानें और दक्षिण के उत्तर भारत की। इससे दक्षिण का हिंदी और उत्तर भारत की भाषाओं का विरोध भी निर्मूल हो जाएगा और भाषाई एकता तो बढ़ेगी ही। आज यूरोप, अमेरिका से लेकर चीन, जापान जैसे देश इसलिए विकसित हैं, क्योंकि उनकी शिक्षा और प्रशासन अपनी भाषा में होता है, अंग्रेजी और दूसरी विदेशी भाषा में नहीं।

तीसरी भाषा कौन-सी चुनी जाए। अच्छा तो यही रहेगा कि संस्कृत के नाम पर पुरानी गलती न हो। स्कूल या प्रशासन बच्चों की सहमति से भाषा का चुनाव करें। पंजाबी, मराठी देवनागरी परिवार की भाषा हैं। बच्चों को कुछ मेहनत जरूर करनी पड़ेगी, लेकिन क्या यही मेहनत दक्षिण के राज्यों को हिंदी सीखने के लिए नहीं करनी पड़ती? इसलिए बिना देरी के इस पर अमल होना चाहिए और जो लोग अपने बच्चों को अंग्रेजी के अलावा दूसरी विदेशी भाषाएं भी सीखना चाहते हैं तो उनके लिए आसमान खुला है। बिना परीक्षा में शामिल किए यदि संभव हो तो स्कूल सिखाएं या कोई और इंतजाम करें। सब कुछ स्कूल नहीं सिखाते। हमारे चारों तरफ ऐसे हजारों लोग मिल जाएंगे जिन्होंने नौकरी, व्यवसाय के लिए अपनी जरूरत के हिसाब से विदेशी भाषाएं सीखी हैं। इसलिए अभिभावकों का सरकार पर आरोप लगाना, उसे कठघरे में खड़ा करना या सुप्रीम कोर्ट जाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता।

क्या कहते है आपके सितारें....?

मेष — शारीरिक और मानसिक ताजगी के साथ घर में भी आनंद का वातावरण रहेगा। मित्रों एवं स्नेहीजनों के साथ मुलाकात होगी। शुभ काम का आरंभ करने के लिए आज का दिन अनुकूल है।

सिंह — आज आपको नकारात्मक विचारों से दूर रहने की सलाह दी जाती है। झगड़े-विवाद से बचें, क्रोध और वाणी पर संयम रखें। अत्यधिक मंथन करने से मानसिक थकान का अनुभव होगा।

धनु — आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टि से दिन लाभदायक होगा। शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति और ताजगी का अनुभव होगा। स्वजनों की ओर से उपहार मिलेगा।

वृषभ — आज आपकी यश, कीर्ति और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के खुश रहने से पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी। स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

कन्या — मानसिक दुविधा में होने के कारण आप महत्वपूर्ण निर्णय नहीं ले सकेंगे। वैचारिक तूफानों से मानसिक अस्वस्थता का अनुभव होगा। अत्यधिक भावनाशीलता आपकी दृढ़ता को कमजोर करेगी।

मकर — दैनिक कामों से बाहर आकर आज आप घूमने-फिरने और मनोरंजन प्रवृत्तियों के लिए समय निकालेंगे। इसमें परिजनों और मित्रों को भी शामिल करेंगे, जो उनके लिए भी आनंदप्रद रहेगी।

मिथुन — आज के दिन ज़रा सा भी असंयमित और अनैतिक व्यवहार आपको तकलीफ में डाल सकते हैं। वाणी की शिथिलता के कारण उग्र तकरार हो सकती है।

तुला — पारिवारिक सदस्यों के साथ सुख-शांति में दिन व्यतीत होगा। उनका सहयोग मिलेगा। स्त्री मित्रों से विशेष मदद मिल सकेगी। दूरस्थ मित्र और स्नेहीजनों के साथ संपर्क लाभदायक साबित होंगे।

कुंभ — आज आपकी वाणी का जादू किसी को अभिभूत करके आपको लाभ दिलाएगा। वाणी की सौम्यता नए संबंध स्थापित करने में सहायक होगी। परिश्रम का अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने से थोड़े निराश हो सकते हैं।

कर्क — नौकरी-धंधे या व्यवसाय में लाभ की प्राप्ति होगी। मित्रों के साथ मुलाकात, प्रवास का आयोजन होगा। विवाहोत्सुक युवक-युवतियों के लिए सुनहरे अवसर आएंगे।

वृश्चिक — आज आपकी वैचारिक समृद्धि बढ़ेगी। मीठी वाणी से आप लाभप्रद, सौहार्द्रपूर्ण संबंध विकसित कर सकेंगे। उत्तम भोजन, भेंट उपहारों और वस्त्रों की प्राप्ति होगी।

मीन — बौद्धिक काम या साहित्य लेखन जैसी प्रवृत्तियों के लिए आज अनुकूल दिन है। आपके व्यवसाय में नई विचारधारा आपके कामों को नया स्वरूप देंगे।

शुभमन आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

एजेंसी, मोहाली

गुजरात टाइटंस के कपतान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने के दौरान एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। शुभमन ने अपनी पारी में 47 गेंदों पर ही 100 रन बना दिये। इससे वह आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं।

इस मैच में 215 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल ने यह मैच विजेता पारी खेली, जिसने गुजरात फाइनल में पहुंची। इस मुकाबले में शुभमन ने 53 गेंदों में 104 रन बनाये। इसमें 15 शानदार चौके और तीन छक्के शामिल थे। यह आईपीएल में शुभमन का कुल पांचवां शतक है, जबकि कप्तान के तौर पर इस लीग में यह उनका दूसरा शतक है। इस दौरान उनकी

और साई सुदर्शन के बीच हुई पहले विकेट के लिए 160 रन की साझेदारी हुई। इस शतक के साथ ही शुभमन आईपीएल प्लेऑफ के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये। इस प्राकर उन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने 2023 सीजन में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 129 रन की पारी के दौरान 49 गेंदों में बनाया था। शुभमन से पहले, रिद्धिमान साहा ने साल 2014 और रजत पाटीदार ने साल 2022 में प्लेऑफ में 49 गेंदों में शतक लगाये थे पर शुभमन ने इस शतक से सबको पीछे छोड़ दिया।

शुभमन अब प्लेऑफ मुकाबलों में दो शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनका पहला प्लेऑफ शतक भी 2023 के दूसरे क्वालिफायर में ही आया था। यह गुजरात टाइटंस के लिए भी सबसे तेज आईपीएल शतक है, जिसमें उन्होंने अपने ही 2023 के रिकॉर्ड (49 गेंदों में शतक) को बेहतर किया।

एक कप्तान के तौर पर आईपीएल प्लेऑफ में शतक लगाने वाले शुभमन गिल पहले खिलाड़ी हैं। उनकी और साई सुदर्शन की पहले विकेट के लिए 160 रन की रिकॉर्ड-तोड़ साझेदारी ने गुजरात की जीत की राह बनी। इस जोड़ी ने 2011 के फाइनल में माइकल हसी और मुरली विजय द्वारा बनाए गए 159 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। इसके अलावा, यह टी20 क्रिकेट में दोनों के बीच 11वीं शतकीय साझेदारी थी, जो क्रिस गेल और विराट कोहली के 10 शतकीय साझेदारियों के रिकॉर्ड से आगे निकल गई।

रॉयल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन

कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन पर भड़के

एजेंसी, चेन्नई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस से हार के साथ ही राजस्थान रॉयल्स की टीम बाहर हो गयी। रॉयल्स के बाहर होने से पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन निराश हैं। उनका कहना है कि इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी ने असाधारण प्रदर्शन कर टीम को खिताब मुकाबले का दावेदार बना दिया था। पर रियान पराग की गलती से उसके हाथों से ये अवसर निकल गया। अश्विन ने कहा कि वह वैभव के लिए दुखी हैं क्योंकि उसकी मेहनत बेकार हो गयी। वहीं अश्विन ने टीम के सीनियर

खिलाड़ियों और कप्तान रियान पराग की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि इन लोगों की गलती से टीम बाहर हुई है। वैभव ने अपने बल पर रॉयल्स को यहां तक पहुंचाया। नॉकआउट चरण में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली रही। एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली, जबकि क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटन्स के सामने भी उन्होंने 96 रन बनाए। पूरे टूर्नामेंट में वैभव ने लगभग 800 रन बनाकर अपने को साबित किया पर अन्य बल्लेबाजों ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। अश्विन ने कहा, मैं मायूस हूं, क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में बहुत शानदार खेल दिखाया। लेकिन मेरे लिए सबसे खास बात वह पारी थी जो उन्होंने क्वालीफायर-2 में खेली। बेशक, किस्मत ने उनका थोड़ा साथ दिया, लेकिन पिच गेंदबाजों की मदद कर रही थी। उन्होंने मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा और जेसन होल्डर जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना किया। उन्हें थोड़ी किस्मत का साथ मिला और एक कैच भी गिरा पर जिस प्रकार उन्होंने बल्लेबाजी की उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। अश्विन ने रॉयल्स के अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि गुजरात के कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी बल्लेबाजी की थी पर रॉयल्स के अन्य बल्लेबाजों ने वैभव का साथ नहीं दिया। क्वालीफायर-2 में हार के बाद वैभव काफी भावुक हो गए थे। अश्विन ने कहा कि एक 15 साल का लड़का हमेशा टीम को मैच जिताने के बारे में सोचता है।

अपनी अलग पहचान बनाना चाहते हैं स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे

एजेंसी, नागपुर

उभरते हुए स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट और तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में जगह पाने से उत्साहित है और इसमें बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। हर्ष को पहली बार बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। हर्ष के अनुसार वह अपने अनुसार खेलना चाहते हैं। किसी का विकल्प बनने का उनका प्रयास नहीं है। माना जा रहा है कि इस स्पिनर को अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को आराम दिये जाने के कारण शामिल किया गया है। इस युवा ने कहा है कि वही कड़ी मेहनत

के बल पर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहते हैं। दुबे ने कहा, 'अभी मैं इस टेस्ट मैच को किसी भी अन्य मैच की तरह ही ले रहा हूं। मैं खुद पर बहुत अधिक दबाव नहीं डालना चाहता। मैं बस अपनी काबिलियत पर भरोसा रखना चाहता हूं और वही करते रहना चाहता हूं जो मेरे लिए हमेशा कारगर रहा है।' हर्ष ने कहा कि वह इस अवसर को एक खिलाड़ी के तौर पर आगे बढ़ने में मददगार मानते हैं और उनका पूरा ध्यान मौका मिलने पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर है, न कि भविष्य के बारे में बहुत अधिक सोचने पर। बाएं हाथ के स्पिनर के अलावा हर्ष बल्लेबाजी में भी पीछे नहीं हैं। इस क्रिकेटर ने अब तक 95 मुकाबलों में 198 विकेट लिए हैं और 27 प्रथम श्रेणी मैचों में 1000 से अधिक रन बनाए हैं। वह अपने को एक ऑलराउंडर के रूप में देखते हैं। उन्होंने अपने पहले पूर्ण आईपीएल सत्र के अनुभव को भी साझा किया, जहां उन्होंने आठ मैचों में आठ विकेट लिए।

हार्दिक पांड्या सहित कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर सकती है मुम्बई इंडियंस : रिपोर्ट

एजेंसी, मुम्बई। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। टीम की हार के बाद उनका अपना प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले सत्र में मुम्बई टीम उन्हें शायद ही रिटेन

करे। इस सत्र में मुम्बई केवल चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल करने में सफल रही है। इससे टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर रहे। पिछले सत्र में भी उनकी कप्तानी में टीम असफल रही थी। ऐसे में मुंबई इंडियंस अब अगले सत्र के लिए बड़े बदलाव कर सकती है। इसके तहत कप्तान सहित कई स्टार खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई इंडियंस के करीबी सूत्रों का भी मानना है कि हार्दिक से कप्तानी छीनी जा सकती है। टीम में उनकी केवल एक खिलाड़ी के रूप में भूमिका पर भी चर्चा हो सकती है। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ इस असफलता के बाद गहन विचार विमर्श के दौर से गुजर रहा है।

आईपीएल 2026 : वैभव ऑरेंज कैप, रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

एजेंसी, मोहाली

आईपीएल के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को होने वाला है। इसमें गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा। अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी सबसे आगे हैं। वैभव की टीम रॉयल्स भले ही टर्नामेंट से बाहर हो गयी है पर दूसरे क्वालीफार में बनाये 96 रनों के साथ ही उनक अब तक इस सत्र में सबसे अधिक 776 रन हो गये

हैं। वैभव के पीछे ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। आरआर के खिलाफ 53 गेंदों में 104 रनों की लाजवाब शतकीय पारी खेलकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई और अब 15 मुकाबलों में 722 रनों के साथ दूसरे पायदान पर हैं। गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन भी कम नहीं रहे, जिन्होंने 16 मुकाबलों में 710 रन बनाकर तीसरे स्थान पर अपना कब्जा जमाया है। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 15 मुकाबलों में 624 रनों के साथ चौथे और मुंबई इंडियंस के ईशान किशन 602 रनों के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं, जो इस सीजन की बल्लेबाजी की गहराई को दर्शाता है। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा नंबर एक पर पहुंच गये हैं।

बिजनेस

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 2025–26 में 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया

डीएफएस सचिव ने 2025-26 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने वित्त वर्ष 2025–26 में 1.98 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सबसे ज्यादा कुल शुद्ध लाभ हासिल किया, जिसमें कुल कारोबार 12.8 फीसदी बढ़कर 283.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मजबूत प्रदर्शन की समीक्षा के लिए आयोजित एक बैठक में उसके व्यापक प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।

मंत्रालय के मुताबिक वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) सचिव, एम. नागराजू ने आज सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की,

ताकि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रमुख परिचालन, वित्तीय और रणनीतिक प्राथमिकताओं के क्षेत्र में उनके प्रदर्शन और प्रगति का आकलन किया जा सके।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस समीक्षा बैठक में प्रदर्शन की मुख्य बातें जो है, उसमें पीएसबी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.98 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ अर्जित किया है, जबकि इस वित्त वर्ष में बैंकों का कुल कारोबार 283 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि जीएनपीए ऐतिहासिक रूप से अपने सबसे निचले स्तर 1.93 फीसदी पर रहा।

मंत्रालय के मुताबिक समीक्षा बैठक के दौरान "आपकी पूंजी, आपका अधिकार" नामक एक 'कॉफी टेबल बुक' का विमोचन किया गया, जिसमें लावारिस वित्तीय संपत्तियों का पता लगाने और उन्हें वापस दिलाने की दिशा में किए जा रहे राष्ट्रव्यापी प्रयासों पर प्रकाश डाला गया है। इसके साथ ही नागरिकों के साथ जुड़ाव और सूचना के प्रसार को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, बहुभाषी और सुलभता सुविधाओं से युक्त डीएफएस की एक नई वेबसाइट भी लॉन्च की गई।

वित्त मंत्रालय के अनुसार इस बैठक में वित्तीय सेवा विभाग के विशेष सचिव, डीएफएस के वरिष्ठ अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कार्यकारी निदेशकों ने भाग लिया।

भारत ने अपनी 2026 की अध्यक्षता के तहत ब्रिक्स एमएसएमई सहयोग को आगे बढ़ाया

एजेंसी, नई दिल्ली

ब्रिक्स देशों ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए टेक्नोलॉजी तक पहुंच और इनोवेशन में सहयोग पर चर्चा की। भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच आयोजित बैठक में चर्चा "एमएसएमई के लिए नवाचारों और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण का लाभ उठाने" के विषय पर केंद्रित रही। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि मंत्रालय ने इस सप्ताह 'नई औद्योगिक क्रांति पर ब्रिक्स साझेदारी' (पार्टएनआईआर) ट्रैक के तहत एसएमई कार्य समूह की दूसरी बैठक आयोजित की, जिसमें ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच और नवाचार को बेहतर बनाने पर चर्चा केंद्रित रही। मंत्रालय ने बताया कि 4 अप्रैल, 2026 को आयोजित प्रथम एसएमई कार्य समूह की बैठक के बाद एमएसएमई मंत्रालय ने 26 मई को ब्रिक्स पार्टएनआईआर

ट्रैक के तहत "एमएसएमई के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच बढ़ाना" विषय पर द्वितीय एसएमई कार्य समूह की बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की। बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच चर्चा "एमएसएमई के लिए नवाचारों और प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण का लाभ उठाना" और "एमएसएमई प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए उद्योग-तैयार मानव संसाधन के कौशल उन्नयन और विकास" पर केंद्रित रही। मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी रही और इसने अनुभवों और सर्वोत्तम विधियों के आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान किया। साथ ही आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन, नवाचार और समावेशी विकास में एमएसएमई की भूमिका को भी रेखांकित किया। इन चर्चाओं में क्षेत्रीय और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एमएसएमई के एकीकरण को समर्थन देने के लिए अधिक डिजिटल समावेशन, मजबूत नवाचार क्षमताओं और बेहतर प्रौद्योगिकीय तत्परता के जरिए प्रौद्योगिकी के अंतर को पाटने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस बैठक में प्रौद्योगिकी तक पहुंच, नवाचार इको-सिस्टम और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए कौशल विकास में ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच गहन सहयोग के महत्व पर भी जोर दिया गया। इन विचार-विमर्शों ने समान विकासात्मक चुनौतियों का सामना कर रहे देशों के बीच मूल्यवान नीतिगत आदान-प्रदान को संभव बनाया और ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सुदृढ़, समावेशी और वैश्विक रूप से स्तर प्रतिस्पर्धी एमएसएमई क्षेत्रों के निर्माण के लिए साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। मंत्रालय ने कहा कि यह बैठक अत्यंत सफल और फलदायी रही, जिसने सार्थक विचार-विमर्श को बढ़ावा दिया, ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच सहयोग को मजबूत किया और ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाओं में एमएसएमई के लिए प्रौद्योगिकीय पहुंच तथा क्षमता निर्माण को आगे बढ़ाने के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए। एमएसएमई मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स पार्टएनआईआर ट्रैक के तहत "एमएसएमई के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच बढ़ाना" विषय पर दूसरी एसएमई कार्य समूह बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि नई औद्योगिक क्रांति के लिए ब्रिक्स साझेदारी (पार्टएनआईआर) के तहत एसएमई कार्य समूह का नेतृत्व भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

इंडिगो को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 2,536.9 करोड़ रुपये का घाटा

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च (चौथी तिमाही) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में इंडिगो को 2,536.9 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में एयरलाइन को 3,067.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी के शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों,

रुपये की विनिमय दर में तेज गिरावट और अन्य कारणों से 2,536.9 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। इंडिगो ने बताया कि जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी कुल आय तीन फीसदी से अधिक बढ़कर 23,830.7 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 23,097.5 करोड़ रुपये थी। एयरलाइन ने कहा कि रुपये में तेज गिरावट, श्रम कानूनों में बदलाव और चुनौतीपूर्ण परिचालन माहौल के कारण परिचालन लाभ पर असर पड़ा, जिससे कंपनी को जनवरी-मार्च तिमाही में घाटा हुआ। इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 कंपनी के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों वाला वर्ष रहा, जिससे उसकी लाभप्रदता पर बड़ा असर पड़ा। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान हमारी क्षमता 9.5 फीसदी बढ़ी, जिससे कंपनी की कुल आय में छह फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है।

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट, 7.51 अरब डॉलर घटा

एजेंसी, मुंबई। पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22 मई को समाप्त हफ्ते में 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रह गया। पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 8.09 अरब डॉलर घटकर 688.89 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 22 मई को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, 2.87 अरब डॉलर घटकर 543.03 अरब डॉलर रह गईं। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 4.53 अरब डॉलर घटकर 114.79 अरब डॉलर रह गया। इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 7.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.75 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति भी 3.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.82 अरब डॉलर रह गई। इससे पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते में 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

केंद्र ने पुडुचेरी में दो नए विशेष आर्थिक क्षेत्र किए अधिसूचित, रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने ईजेड के लिए गठित अनुमोदन बोर्ड की मंजूरी के बाद केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के लिए दो नए विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिसूचित किए हैं। इससे पुडुचेरी में निवेश, विनिर्माण और रोजगार में तेजी आने की संभावना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इन दो एसईजेड में से एक सूचना प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएं एसईजेड का विकास औलगेरेट नगर पालिका, औलगेरेट

तालुक के थट्टनचावडी गांव में करेगी। यह देश का पहला एसईजेड होगा, जिसका विकास किसी शहरी स्थानीय निकाय करेगा। दूसरा बहु-क्षेत्रीय एसईजेड है, जिसे पुडुचेरी औद्योगिक संवर्धन विकास एवं निवेश निगम (पीआईपीडीआईसी) विल्लियनूर तालुक के करासुर गांव में विकसित करेगा। मंत्रालय के मुताबिक वाणिज्य विभाग के तहत एसईजेड के लिए गठित अनुमोदन बोर्ड ने 27 फरवरी को हुई 137वीं बैठक में इन प्रस्तावों को स्वीकृति दी थी। बोर्ड ऑफ अप्रवूल यानी अनुमोदन बोर्ड भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत गठित सर्वोच्च अंतर-मंत्रालयी निकाय है, जिसका मुख्य कार्य देश में विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना, विकास और संचालन से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी देना और एकल खिड़की निकासी प्रदान करना है।

संक्षिप्त-समाचार

विशेष निरोधात्मक अभियान : अवैध मदिरा के विरूद्ध कार्रवाई जारी

लोक टुडे

उदयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए गए। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत एक मई से 29 मई 2026 तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 2010 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेश में देशी मदिरा 19 लाख 20 हजार 705 रूपए लागत की 7115 लीटर, भारत निर्मित विदेशी मदिरा 3 करोड़ 90 लाख 35 हजार 819 रूपए की 38946 लीटर, बीयर 44 लाख 38 हजार 393 रूपए की 19743 लीटर, स्प्रिट 30 लीटर एवं हथकड़ शराब 13287 लीटर जब्त की गई है। इसी क्रम में वॉश 5 लाख 56 हजार 794 लीटर नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के दौरान बडे वाहन 15, हल्के चार पहिया वाहन 12, तिपहिया वाहन एक एवं दुपहिया वाहन 65 सहित 93 वाहन जब्त करते हुए 909 व्यक्तियों का गिरफ्तार किया गया है। प्रदेश के समस्त जिलों में भी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, दबिश व सघन गश्त की जा रही है। प्रदेश में समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध जीरो टोलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

प्रसार का राज्य स्तरीय जनसंपर्क सम्मान समारोह आयोजित

लोक टुडे

जयपुर। पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विसेज एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (प्रसार) का राज्य स्तरीय जनसंपर्क सम्मान समारोह शनिवार को बीकानेर के रानी बाजार औद्योगिक क्षेत्र स्थित जिला उद्योग संघ सभागार में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल थे। बीकानेर पश्चिम विधायक श्री जेठानंद व्यास विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसार अध्यक्ष डॉ. हरि शंकर आचार्य ने की तथा कवि-कथाकार श्री राजेंद्र जोशी स्वागताध्यक्ष रहे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि जनसंपर्क विभाग सरकार का अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग है। सरकार की रीति-नीतियों, योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण दायित्व इसी विभाग पर है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क का कार्य चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ अत्यंत जिम्मेदारीपूर्ण भी है। प्रसार की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि विभाग की सेवा करने वाले दिवंगत अधिकारियों की स्मृति में सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मियों का सम्मान करना एक सराहनीय एवं प्रेरणादायी पहल है। विशिष्ट अतिथि विधायक श्री जेठानंद व्यास ने कहा कि समाज में अच्छे कार्य करने वालों का सदैव सम्मान होता है। प्रसार द्वारा सेवानिवृत्त जनसंपर्क अधिकारियों और कर्मियों को सम्मानित करने की परंपरा युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी तथा उन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रोत्साहित करेगी। प्रसार अध्यक्ष डॉ. हरि शंकर आचार्य ने बताया कि वर्ष 2019 से जनसंपर्क सम्मान प्रदान करने का यह क्रम निरंतर जारी है।

साहब मेरा घर दिलवाओ, बेटों ने फर्जी वसीयत बनाकर कब्जा किया

लोक टुडे

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल की जन सुनवाई में सीता देवी ने गुहार लगाई। बुजुर्ग सीता देवी ने बताया- 13 सितंबर 2025 को वे अमृतसर तीर्थ यात्रा पर गई थीं। जब मैं वापस लौटीं तो उनके कमरों के बाहर दीवार खड़ी कर दी गई थी, दरवाजे बदल दिए गए थे। कमरों के ताले तोड़कर नए ताले लगा दिए गए थे। मैं घर के बाहर खड़ी होकर अपने बेटों से गेट खोलने के लिए कहती रही, पर उन्होंने मेरी एक न सुनी। जब मैंने अपनी बेटी को बताया तो वह तुरंत आई। फिर हम दोनों थाने गए। पुलिस ने गेट खुलवाया तो मेरे बड़े बेटे ने कहा-मेरे पिताजी यह मकान मेरे नाम करके गए हैं। तब से मैं अपनी बेटी के पास रहने को मजबूर हूं। वहीं, बुजुर्ग चित्रकूट थाने में जनसुनवाई में नंगे पांव पहुंचा। जिसने कमिश्नर से अपने लापता बेटे को ढूंढने की गुहार लगाई। धाबास स्थित जगदंबा नगर-ए की रहने वाली बुजुर्ग सीता देवी ने अपने बेटों पर घर से बेदखल करने, मारपीट करने और घर पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। मामले में एसडीएम कोर्ट पहले ही बेटों को मकान खाली करने का आदेश दे चुकी है, लेकिन आदेश की अवधि पूरी होने से पहले ही महिला ने जनसुनवाई में पहुंचकर प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। सीता देवी ने बताया कि उनके दिवंगत पति स्वर्गीय रामदास पंथी सरकारी सेवा में थे। उन्होंने 2 मंजिला मकान बनवाया था, जिसमें उनके दोनों बेटे अपने-अपने परिवार के साथ रहते हैं, जबकि उनके लिए ऊपर और नीचे एक-एक कमरा निर्धारित था, जिसमें उनका निजी सामान रखा हुआ है। 13 सितंबर 2025 को वे अमृतसर तीर्थ यात्रा पर गई थीं। वापसी पर उन्होंने घर पर ताला लगा हुआ पाया। बेटों ने गेट नहीं खोला।

रिफंड स्कीम का धोखा देकर पंड़ित से 36 लाख वसूले

जयपुर। जयपुर में रिफंड स्कीम की जालसाजी में पंड़ित के 36 लाख रुपए ऐंठने का मामला सामने आया है। पंड़ित के जानकार ने ही कंपनी में इन्वेस्ट करने पर 19 महीने में पूरी रकम वापस होने के साथ ही फ्री में फ्लैट और मालिक बनने का झांसा दिया था। नाहरगढ़ थाने में पंड़ित ने एफआईआर दर्ज करवाई है। हेड कॉन्स्टेबल गोपाल लाल ने बताया कि नाहरगढ़ रोड पुरानी बस्ती निवासी अमरीश शर्मा (37) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया कि वह पेशे से पंड़ित है। उसके घर से कुछ ही दूरी पर अवधेश उदयवाल रहता है। उसने फाइनेंस में एमबीए किया है और दुबई रह चुका है। वह प्रॉफिट दिलाने के नाम पर लोगों के पैसे इन्वेस्ट करवाता है। आरोप है कि नवंबर 2024 में आरोपी अवधेश ने उसे रिफंड स्कीम के बारे में बताया। उसे कहा कि जगतपुरा में एक प्रोजेक्ट पर इन्वेस्टमेंट स्कीम चल रही है, जिसमें इन्वेस्ट करने पर 19 महीने में पूरा पैसा रिफंड हो जाता है। फ्लैट पर इन्वेस्ट पैसा भी वापस आ जाता है। आरोपी ने दोस्त की कंपनी बताकर उसे विश्वास में लिया। उसने कहा कि आपको जहां-जहां बताऊं, वहां पैसा देना है।

ASSOCHAM ने किया 'राजस्थान एजुकेशन समिट 2026' का आयोजन

लोक टुडे

जयपुर। एसोचेम राजस्थान स्टेट डेवलपमेंट काउंसिल ने शुक्रवार को 'द ललित, जयपुर' में ''राजस्थान एजुकेशन समिट 2026' का आयोजन किया। समिट में नीति-निर्माता, शिक्षाविद, उद्योग प्रतिनिधि, विश्वविद्यालय, स्टार्टअप्स, तकनीकी विशेषज्ञ तथा विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि एक मंच पर इकट्ठे हुए और राजस्थान में शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से होने वाले बदलावों के भविष्य पर चर्चा की। उद्घाटन सत्र में राजस्थान के कॉलेज शिक्षा विभाग आयुक्त ओम प्रकाश बैरवा, आईएएस, विशिष्ट अतिथि, डॉ श्वेता जैन डायरेक्टर आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल आईबीएस, प्रोफेसर निमित्त चौधरी वॉइस चांसलर राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी कोटा, प्रोफेसर एनपी पधी डायरेक्टर एमएनआईटी जयपुर, इंजीनियर ओमकार बग़रिया को- चैयरमेन एसोचैम राजस्थान स्टेट डेवलपमेंट काउंसिल उपस्थित रहे।कार्यक्रम में राजस्थान चैमबर ऑफ़ कॉमर्स की महिला विंग की Chairperson सोनिका महरवाल और उनके सहयोगी भी उपस्थित थे सोनिका महारवाल और उनकी टीम ने इस सफल कार्यक्रम के लिए आयोजकों का धन्यवाद भी ज्ञापित किया शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तित्व भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। समिट के दौरान दो प्रमुख तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जो नवाचार, रोजगार क्षमता, उद्यमिता, एआई एकीकरण और भविष्योन्मुखी शिक्षा मॉडल जैसे विषयों पर केंद्रित रहे। पहले तकनीकी सत्र का विषय 'एजुकेशन टू एंटरप्राइजः राजस्थान के नवाचार एवं कौशल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण' रहा। इसमें शिक्षा जगत, एडटेक, एआई स्टार्टअप्स और उच्च शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञ उद्योग आधारित शिक्षा, कौशल विकास, स्टार्टअप संस्कृति और रोजगार के अवसरों को बेहतर बनाने पर विचार व्यक्त किए गए। इस अवसर पर प्रोफेसर प्रदीप कुमार शर्मा रजिस्टर और प्रोवॉस्ट यूईएम जयपुर एवं मिस्टर नवीन गिडवानी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और वीपी सनस्टोन एजुकेशन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, डॉक्टर संदीप संचेती वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च रिलेशंस एंड एकेडमिक एडवाइजरी एलजेविर इंडिया, डॉ बृजेश सिंह डायरेक्टर सिंबोसिस स्किल एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पुणे, डॉक्टर धनेश्वर शर्मा डायरेक्टर और प्रोफेसर बिजनेस कम्युनिकेशंस जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, श्री जयेश भट्ट फाउंडर ब्रेन स्कूल जयपुर एवं मिस्टर रिषभ नाग फाउंडर ह्यूमनली ए आई ने अपने विचार व्यक्त किए। दूसरे सत्र का विषय 'राजस्थान विज़न 2030: भविष्य के लिए तैयार शिक्षा तंत्र का निर्माण' रखा गया जिसमें नीति समन्वय, संस्थागत उत्कृष्टता, अनुसंधान, नवाचार और राजस्थान के युवाओं को आने वाली आर्थिक संभावनाओं के लिए तैयार करने पर केंद्रित रहा। देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों और संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों जिनमें डॉ पी आर सोडानी प्रेसिडेंट आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी, प्रोफेसर ए के सैनी प्रोफेसर एंड डायरेक्टर आईसीएफएआई टेक स्कूल, कैलाश राज सैनी चेयरपर्सन महात्मा ज्योतिबा फुले ग्रुप कॉलेज एंड हॉस्पिटल्स एवं विनीत जैन हैड कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस स्किट, लवीना खिलनानी, डिप्टी डायरेक्टर तक्षशिला बिजनेस स्कूल, कैलाश राज सैनी चेयरपर्सन महात्मा ज्योतिबा फुले ग्रुप ऑफ कॉलेज, ए के सैनी प्रोफेसर और डायरेक्टर आईसीएफई टेक स्कूल, विक्टर गंभीर प्रेसिडेंट जेईआरसी यूनिवर्सिटी, रितु गिलहोत्रा प्रेसिडेंट ऑफशियाटिंग सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी शामिल थे एवं अन्य वक्ता भी शामिल रहे। एसोचेम राजस्थान स्टेट डेवलपमेंट काउंसिल का लक्ष्य इस आयोजन के माध्यम से सरकार, शिक्षा जगत, उद्योग और स्टार्टअप्स के बीच सार्थक और परिणामकारी संवाद की नींव रखना है, जिससे राजस्थान को नवाचार आधारित शिक्षा और प्रतिभा विकास के एक अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके।

कलेक्टर को बोनट पर बैठाकर फैसला कराया था, बीजेपी के नेता मेरे आगे गिड़गिड़ाते हैं : बेनीवाल

लोक टुडे

जयपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा- मेरी सुरक्षा इन लोगों ने हटा दी, उनकी औकात ही क्या है? मेरी सुरक्षा तो राजस्थान के जवान करेंगे, मुझे उनकी सुरक्षा की कोई जरूरत नहीं है। आपकी पुलिस तो मेरे आगे गिड़गिड़ाती है। दो-दो आईजी मेरे हाथ जोड़ रहे थे, कलेक्टर को तो मैंने बोनट पर बिठा कर फैसला कराया था। आज ये लोग मुझे आंख दिखा रहे हैं? मैं वही हूं, कल नए रूप में लौट कर आऊंगा। बेनीवाल ने कहा- सरकार उनकी राजनीतिक गतिविधियों को रोकना चाहती है, लेकिन मैं दबाव में आने वाले नहीं हैं। साधु-संतों और जनहित के मुद्दों को उठाने वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं और उन्हें जेल भेजा जा रहा है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा कथित सामाजिक बहिष्कार संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बेनीवाल ने कहा- मामले को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे और कानूनी कार्रवाई करेंगे। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी व्यक्ति या समाज के खिलाफ इस तरह का फरमान नहीं दिया जा सकता। बेनीवाल ने कहा- कुचामन में लोगों का विरोध आरएलपी के खिलाफ नहीं बल्कि पानी, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर था, लेकिन उसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। जयपुर में मीडिया से बातचीत में बेनीवाल ने ये बातें कही। सांसद ने भाजपा सरकार पर पेपर लीक, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर भी सवाल उठाए। बेनीवाल ने कहा- कांग्रेस शासन के दौरान भाजपा नेताओं ने राजस्थान लोक सेवा आयोग के पुनर्गठन और पेपर लीक माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद अपने वादे पूरे नहीं कर पाए। बेनीवाल ने दावा किया कि लोकसभा चुनावों में भाजपा को कई सीटों पर मेरी वजह से फायदा हुआ था। बीजेपी के लोग हाथ फैला कर मेरे दरवाजे पर आए थे। पहले 25 सीट दिलाई थी। इस बार बीजेपी ने सिर्फ 11 सीट हारी है, बल्कि पांच जगह इन लोगों ने मुझे प्रणाम किया, जिसमें कोटा, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर और अलवर लोकसभा सीट शामिल हैं, जहां मेरी बदौलत ही भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को जीत मिली है। बेनीवाल ने आगे कहा- बीजेपी के नेता मेरे आगे टेलीफोन पर गिड़गिड़ाते हैं। भाई साहब आप अर्जुन जी की यहां मत जाइएगा। आप भूपेंद्र जी की इज्जत रखिए, राव राजेंद्र जी को भी छोड़ दीजिए, बिड़ला जी को बचाओ। मैं बीजेपी पार्टी में रहा था इसलिए उनका थोड़ा बहुत लगाव था। अब वह लगाव खत्म हो गया है। इनके कितने ही भाई साहबों को नेता और विधायक बनाया है। मुझसे हते थे, भाई साहब 12 चुनाव हार गए हैं, उनकी मदद कर दीजिए। मैं कहता था, आओ चाय पियो जाओ, कर दी मदद।

घर से पानी की मोटर 30 सेकेंड में चोरी

लोक टुडे

जयपुर। जयपुर में शुक्रवार को दिनदहाड़े एक घर के अंदर से पानी की मोटर चोरी हो गई। बाइक पर आए दो बदमाश महज 30 सेकेंड में वारदात को अंजाम देकर भाग गए। जिसका सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। फिलहाल मुहाना थाना पुलिस ने ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज के आधार पर बाइक सवार चोरों की तलाश शुरू कर दी है। सीसीटीवी वीडियो में बाइक पर दो युवक साफ नजर आ रहे हैं। पुलिस ने बताया- चोरी की वारदात मुहाना के स्वर्ण विहार में स्थित एक मकान में हुई। मकान के अंदर पोर्च में नया सामान फिटिंग के लिए रखा हुआ है। शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे बाइक पर आए दो बदमाशों ने घुमकर रेकी की। रेकी के बाद घर के सामने बाइक लेकर दोनों बदमश रुके। बाइक पर एक बदमाश बैठा रहा, दूसरा बदमाश कंधे पर बैग लटाकर अंदर घुस गया। महज 30 सेकेंड में घर के अंदर से पानी की मोटर को चोरी कर ली। पानी की मोटर चुराकर बदमाश बाहर खड़े अपने बाइक सवार दोस्त के साथ लेकर फरार हो गया। वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज में बाइक पर आए चोरों की करतूत कैद हो गई। पुलिस टीम की ओर से मौके से साक्ष्य जुटाकर चोरों की तलाश की जा रही है।

मेडिकल बिल और मेडिकल लीव के भुगतान के एवज में 10 हजार की रिश्वत लेते ईएसआईसी शाखा प्रबंधक गिरफ्तार

लोक टुडे

चित्तौड़गढ़/उदयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्पेशल यूनिट उदयपुर ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के चित्तौड़गढ़ स्थित शाखा कार्यालय की शाखा प्रबंधक संदीपा वोहरा को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोप है कि वह एक कर्मचारी के मेडिकल बिलों और मेडिकल लीव के भुगतान की फाइल पास करने के बदले रिश्वत की मांग कर रही थीं। एसीबी ने ट्रैप कार्रवाई के दौरान रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली।

पहले भी 40 हजार रुपए लेने के आरोप

शिकायत में यह भी सामने आया कि शाखा प्रबंधक पर पूर्व में भी विभिन्न कर्मचारियों के क्लेम पास करने के नाम पर एल एंड टी कंपनी के एचआर मैनेजर, पीड़ित कर्मचारियों और उनके परिजनों पर दबाव बनाकर करीब 40 हजार रुपए रिश्वत लेने के आरोप हैं। इसी सूचना के आधार पर एसीबी ने मामले की गोपनीय जांच शुरू की।

सत्यापन में सही पाई गई शिकायत

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रामेश्वर सिंह के निर्देशन में स्पेशल यूनिट उदयपुर के प्रभारी अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव जोशी के नेतृत्व में जांच की गई। पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण डांगी ने 29 मई को शिकायत का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान रिकॉर्ड की गई वार्ता में शाखा प्रबंधक संदीपा वोहरा द्वारा मेडिकल बिलों और मेडिकल लीव के भुगतान के बदले 10 हजार रुपए रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। शिकायत सही पाए जाने के बाद एसीबी ने ट्रैप की योजना तैयार की।

कार्यालय कक्ष में लेते ही दबोचा

एसीबी टीम ने शुक्रवार को पूर्व नियोजित योजना के तहत ट्रैप कार्रवाई की। परिवादी को निर्धारित राशि देकर कार्यालय भेजा गया। जैसे ही शाखा प्रबंधक ने अपने कार्यालय कक्ष में परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत राशि स्वीकार की, एसीबी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान रिश्वत की पूरी राशि बरामद कर ली गई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी अधिकारी से पूछताछ की जा रही है।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

एसीबी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। मामले में रिश्वतखोरी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जाएगी। साथ ही पूर्व में कर्मचारियों के क्लेम पास करने के नाम पर कथित रूप से ली गई रिश्वत की शिकायतों की भी पड़ताल की जाएगी।

लकवाग्रस्त कर्मचारी के क्लेम पास करने के बदले मांगी थी रिश्वत

एसीबी सूत्रों के अनुसार हिन्दुस्तान जिंक, चंदेरिया में कार्यरत एल एंड टी कंपनी का एक कर्मचारी अगस्त 2025 में ड्यूटी के दौरान अचानक लकवाग्रस्त हो गया था। कर्मचारी के इलाज पर हुए मेडिकल खर्च तथा मेडिकल लीव के भुगतान की प्रक्रिया कर्मचारी राज्य बीमा निगम के माध्यम से की जानी थी। आरोप है कि इन दावों के भुगतान और स्वीकृति के एवज में शाखा प्रबंधक संदीपा वोहरा लगातार रिश्वत की मांग कर रही थीं। परिवादी के रिश्तेदार तथा एल एंड टी कंपनी के एचआर मैनेजर ने इसकी शिकायत एसीबी को दी। शिकायत में बताया गया कि संबंधित कर्मचारी के मेडिकल बिलों का भुगतान करने और अवकाश अवधि का भुगतान स्वीकृत करने के लिए 10 हजार रुपए की मांग की जा रही है।

इसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करए सरकारी रॉयल्टीए सरकार को लाभांशए और अन्य कर और शुल्क शामिल

हिंदुस्तान जिंक ने वित्त वर्ष 26 में राजकोष में 18,846 करोड़ का योगदान दिया

लोक टुडे

उदयपुर। भारत की एकमात्र और विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक ने कंपनी की 9वीं टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025.26 में राजकीय कोष में 18,846 करोड़ का योगदान दिया। यह रिपोर्ट पारदर्शी शासनए जिम्मेदार व्यावसायिक तरीकों और राष्ट्र निर्माण के प्रति हिंदुस्तान जिंक की लगातार प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। यह रिपोर्ट पारदर्शी शासनए जिम्मेदार व्यावसायिक तरीकों और राष्ट्र निर्माण के प्रति हिंदुस्तान जिंक की लगातार प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। यह योगदानए कंपनी के राजस्व का 46 प्रतिशत हैए जो भारत के आर्थिक विकास और आत्मनिर्भर भारत मिशन के प्रति कंपनी के योगदान को दर्शाता है। पिछले पाँच वर्षों में राजकीय कोष में कंपनी का कुल योगदान अब 91ए572 करोड़ हो गया है। इस योगदान में आय पर करए सरकारी रॉयल्टीए अप्रत्यक्ष करए भारत सरकार को दिया गया लाभांशए विदहोल्डिंग टैक्स और अन्य वैधानिक शुल्क शामिल हैं। यह रिपोर्ट ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव जीआरआई 207रू टैक्स 2019 फ्रेमवर्क के अनुरूप तैयार की गई है और इसमें एक्सट्रैक्टिव इंडस्ट्रीज ट्रांसपेरेंसी इनिशिएटिव और आईसीएमएम सोशल एंड इकोनॉमिक रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित किया गया है। इस योगदान को वित्त वर्ष 26 के दौरान हिंदुस्तान जिंक के मजबूत परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन से बल मिला। कंपनी ने 40844 करोड़ का राजस्वए 22162 करोड़ का एबिटा और कर के बाद 13832 करोड़ का लाभ दर्ज किया। इस साल के दौरानए हिंदुस्तान जिंक ने 1114 केटी के साथ अब तक का सबसे अधिक खनित धातु उत्पादन हासिल कियाए जबकि चाँदी का उत्पादन 627 टन रहा। लगातार वैल्यू बनाने और मार्केट में अपनी लीडरशिप को दिखाते हुएए हिंदुस्तान जिंक को 30 सितंबर 2025 से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी 100 एवं निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स में शामिल किया गया है। इसके बादए 31 दिसंबर 2025 से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सभी निफ्टी ईएसजी इंडेक्स में भी इसे शामिल कर लिया गया। विनिवेश के बाद सेए कंपनी ने शेयरहोल्डर्स को कुल 1400 गुना से अधिक रिटर्न दिया हैए जिसमें शेयर की कीमत का सीएजीआर लगभग 33 प्रतिशत रहा है। टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट का 9वां एडिशन हिंदुस्तान जिंक के राजकीय कोष में योगदान और ग्लोबल डिस्क्लोजर फ्रेमवर्क के हिसाब से उसकी जिम्मेदार टैक्स नीतियों का विस्तृत ब्योरा देता है। वित्त वर्ष 26 में में कुल 18846 करोड़ का योगदानए 5 वर्षो का कुल योगदान 91572 करोड़ से अधिकए वित्त वर्ष 26 में अप्रत्यक्ष टैक्स के तौर पर 6637 करोड़ का योगदानए सरकारी रॉयल्टी के रूप में 5073 करोड़ का योगदान जिसमें डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन और नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट को दिया गया योगदान भी शामिल हैए आय पर टैक्स के तौर पर 4552 करोड़ का योगदानए वित्त वर्ष 26 के लिए प्रभावी टैक्स दर 25.26 प्रतिशत रही। भारत सरकार को कॉर्पोरेट डिविडेंड के तौर पर 1180 करोड़ का योगदानए विथहोल्डिंग टैक्स के तौर पर 755 करोड़ का योगदानए अन्य टैक्स के तौर पर 593 करोड़ का योगदान अन्य अप्रत्यक्ष योगदान के रूप में 56 करोड़ का योगदान दिया गया। वित्त वर्ष 26 के लिए प्रभावी टैक्स दर 25.26 प्रतिशत रही। अपनी ट्रांसपेरेंसी और गवर्नेंस फ्रेमवर्क के हिस्से के तौर परए कंपनी ने एक बिग 4 ऑडिट फर्म को नियुक्त कियाए ताकि रिपोर्ट पर स्वतंत्र आश्वासन मिल सके और इसके पारदर्शी खुलासों की सटीकता की पुष्टि हो सके। यह इंडिपेंडेंट रिजनेबल एश्योरेंस रिपोर्ट टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट का ही एक हिस्सा हैए जो हिंदुस्तान जिंक के मजबूत टैक्स गवर्नेंस सिद्धांतों को और भी पुख्ता करती है। टैक्स एक महत्वपूर्ण ईएसजी से जुड़ा पहलू हैए जो कंपनी के सतत विकास के एजेंडे और उससे जुड़े लक्ष्यों को पूरा करने में सहायता करता है। एसएण्डपी ग्लोबल कार्पोरेट सस्टनेबिलिटी एसेसमेंट 2025 द्वाराए हिंदुस्तान जिंक को लगातार तीसरे वर्ष मेटल और माइनिंग क्षेत्र में विश्व स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।